कि मथुरा में कितनी जानें गयीं, क्या सरकार अपने जवाब को अखबारों के बिना पर क़ायम रखती है ?

श्री एल० बी० शास्त्री: जी नहीं, पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी ने तो यह कहा था कि उन के पास अंक नहीं हैं, इसलिये उन्होंने कहा कि अखबारों में शाया हुई होगी, मगर अखबार के आधार पर तो हम चल नहीं सकते जब तक हमारे सामने आफ़िशियल रिपोर्ट न आये ।

श्री सिंहासन सिंह : क्या आप बता सकते हैं कि कितनी जानें गइं ?

डा० राम सुभग सिंह: अभी द्विवेदी जी के प्रश्न के उत्तर में कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिये क्या ज्यादा खर्च का इन्तज़ाम किया जायेगा, मंत्री जी ने कहा कि हां, समुचित खर्च का प्रबन्ध किया जायेगा । मैं जानना चाहता हूं कि ज्यादा रुपया खर्च करने से दुर्घटनायें रुकेंगी या ज्यादा सावधानी बरतने का उपाय किया जायेगा ?

श्री एल० बी० शास्त्री: दोनों बातें की जायेंगी । सावधानी भी बरतनी होगी और जो हमारा इन्टरलाकिंग सिस्टम है उस के इक्विपमेंट और सामान पर काफ़ी रुपया भी खर्च करना होगा ।

मध्य प्रदेश में रेलवे लाइन का निर्माण

*१३८२. **श्री जांगड़े** : क्या रेल मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे :

(क) मध्य प्रदेश में चांपा से कोरबा तक और चिरमिरी से बरुवाडीत तक रेलवे लाइन के निर्माण में कहां तक प्रगति हुई है ;

(ख) इस पर अब तक कितना व्यय हो चुका है ;

(ग) चांपा में १९४९, १९५० और १९५१ में पड़ी हुई सामग्री का चांपा-कोरबा लाइन के निर्माण में कहां तक प्रयोग किया गया है ; और

(घ) चांपा में कितने की निर्माण-सामग्री बेकार पड़ी हुई है ?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan): (a) The construction of Champa-Korba line is to be commenced after the present monsoon. The construction on the Baruwadeet-Chirimiri line was suspended in March, 1950.

(b) No actual expenditure has so far been incurred on Champa-Korba line, though acquistion of land is under progress. The total expenditure incurred on the construction of Baruwadeet-Chirimiri project came to Rs. 1·53 crores.

(c) Does not arise in view of the reply to part (a) above.

(d) There is no railway material intended for Champa-Korba construction lying at Champa.

श्री जांगड़े : क्या मैं जान सकता हूं कि बरवाडीत-चिरमिरी की लाइन पर सन् १९४९-५० के बजट सत्र में जो आप ने बताया कि १·५३ करोड़ रुपया खर्च हुआ, तो उतना खर्च करने के बाद भी सरकार ने इस लाइन के निर्माण करने पर आपत्ति क्यों उठाई ?

श्री शाहनवाज़ खां : गवर्नमेन्ट की यह स्कीम थी कि बरवाडीत-चिरमिरी लाइन जो है उस को कम्प्लीट किया जाय और बरवाडीत-सरनडीत का ४० मील का पहला सेक्शन था उस पर काम शुरू किया गया था । उस के ऊपर यह सारा खर्च हुआ; बाद में जिस मकसद के लिये यह लाइन बनाई जा रही थी, यानी यह कि उस इलाके में जो कोयले की खानें थीं उन में से कोयला निकालने के लिये बनाई जा रही थी, लेकिन बाद में जब लाइन शुरू हो गई तो मालूम हुआ कि वह एरिया अच्छी तरह से कोयले के लिये डेवलप नहीं हुई है और जो कोयला वहां से निकला है वह भी बहुत अच्छे किस्म का नहीं है, और सरकार

की माली हालत उस वक्त जरा खराब थी। वह जो बहुत जरूरी लाइनें थीं उन्हीं को पहले लेना चाहती थी, इसलिये इस काम को छोड़ दिया गया।

श्री जांगड़े : सरकार ने अभी बताया है कि उस समय उस की माली हालत अच्छी नहीं थी, और बाद में पता चला कि कोयला की जो ग्रेड थी वह भी अच्छी नहीं थी। तो क्या सरकार ने उस पर एक करोड़ रुपया खर्च करने के पहले इस का पता नहीं चलाया था ?

श्री एल० बी० शास्त्री : यह लाइन सन् १९४८ में ली गई थी जब कि इस को बनाने का फैसला हुआ था। सच बात यह है कि मैं भी इस मामले को बहुत सफाई के साथ समझ नहीं सकता, लेकिन जहां तक मुझे मालूम हुआ है, लड़ाई के बाद बहुत जल्दी में यह फैसला किया गया था जब कि सारी बातों को जांच कर के फैसला होना चाहिये था, इसलिये शायद ठीक फैसला नहीं हो सका। फिर भी सेन्ट्रल ट्रान्सपोर्ट बोर्ड ने ग़ौर करने के बाद इस लाइन को फिर नये तरीके से शुरू करने को मंजूर नहीं किया। जितना रुपया खर्च हो चुका है उस के बाद मैं इस बात की जरूरत समझता हूं कि इस मसले को फिर से देखा जाय और इस पर ग़ौर किया जाय।

श्री जांगड़े : क्या मैं जान सकता हूं कि चांपा में दो तीन वर्षों से जो कई वैगन रेलवे लाइन में उपयोग होने वाला सामान पड़ा हुआ है, और बेकार पड़ा हुआ है उस की कीमत क्या होगी ?

श्री शाहनवाज खां : चांपा-कोरबा लाइन जो है उस को रेलवे मिनिस्ट्री बहुत जरूरी लाइन समझती है और उस के ऊपर काम बहुत जल्दी शुरू होने वाला है।

श्री जांगड़े : क्या मैं जान सकता हूं...

Mr. Deputy-Speaker: He wants to know how many are in use.

Shri Shahnawaz Khan: They will be used in the very near future.

सरदार ए० एस० सहगल : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि चांपा-कोरबा लाइन और चिरमिरी-बरवाडीह लाइनों में से आप कौन पहले लेने की कोशिश कर रहे हैं ?

श्री शाहनवाज खां : चांपा-कोरबा लाइन हम पहले लेंगे।

श्री जांगड़े : गत सत्र में माननीय मंत्री जी ने कहा था कि चांपा-कोरबा लाइन का निर्माण किया जायगा। क्या अभी तक उस पर एक लाख रुपया खर्च नहीं किया जा सका और यह छोटी सी लाइन निर्मित नहीं की जा सकी ?

श्री शाहनवाज खां : मौजूदा स्कीम के बमूजिब चांपा-कोरबा लाइन जो कि साढ़े बाइस मील लम्बी है वह फर्स्ट फाईव इअर प्लैन में शामिल है और १९५५-५६ तक यक़ीनन मुकम्मल हो जायेगी।

Shri C. Bhatt: In view of the seriousness of the unemployment problem, what are the measures that Government is going to devise to lay new rails all over India?

Mr. Deputy-Speaker: Substitute new for old rails. He wants to know about re-railing every railway line wherever necessary. How does it arise out of this?

Shri C. Bhatt: May I repeat my question, Sir? In view of the seriousness of the problem of unemployment, may I know whether the Government is going to revise the decision to relay the railway lines all over the country where necessary?

Mr. Deputy-Speaker: The hon. Member may wait for the resolution.